अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : सातवीं - जैन धर्म कोविद (परीक्षा 29 जुलाई, 2018)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) 'विप्पमुक्काण' का अर्थ है-

(क)मोक्ष का अभिलाषी (ख) परिग्रह से मुक्त

(ग) दमन करने वाला (घ) शान्त ( )

(b) छठा अनाचीर्ण है -

(क) सिणाणे (ख) वीअणे

(ग) राइभत्ते (घ) पलियंकए ( )

(c) उत्तम समाधि वाले साधु वर्षाकाल में कैसे होते हैं -

(क) अवाउडा (ख) आयावयंति

(ग) पडिसंलीणा (घ) धूअमोहा ( )

(d) 'सिंगबेरे' का क्या अर्थ है -

(क) मूला (ख) बीज

(ग) अंजन (घ) अदरक ( )

(e) गृहस्थ से सावद्य प्रश्न पूछना क्या कहलाता है -

(क) संपुच्छणा (ख) देहपलोयणा

(ग) गिहिमत्ते (घ) सन्निही ( )

(f) निश्चय में जीव के भेद हैं-

(क) 563 (ख) 14

(ग) 01 (घ) 06 ( )

(g) बेइन्द्रिय का भेद है -

(क) खटमल (ख) लट

(ग) शलगम (घ) मकोड़ी ( )

(h) 'रतालु' किसका भेद है -

(क) प्रत्येक वनस्पति (ख) साधारण वनस्पति

(ग) तेइन्द्रिय (घ) बेइन्द्रिय ( )

(i) 'गन्धर्व' किस जाति के देव का भेद है -

(क) वाणव्यन्तर (ख) ज्योतिषी

(ग) त्रिजृम्भक (घ) परमाधामी ( )

(j) 'स्पर्श' के कुल भेद होते हैं-

(क) 100 (ख)46

(ग) 184 (घ) 94 ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) प्रकृति और प्रदेश बन्ध योग से निमित्त से होते हैं। ( )

(b) द्रव्य से सिद्ध जीव अभव्य से असंख्य गुणे हैं। ( )

(c) अनेक सिद्ध का उदाहरण भगवान महावीर है। ( )

(d) दशाश्रुतस्कन्ध में निदान के नौ रूप बताये हैं। ( )

(e) 22वें तीर्थंकर के समय राजपिण्ड ग्रहण करना कल्प की ऐच्छिकता है। ( )

(f) तिर्यंच गति पुण्य प्रकृति है। ( )

(g) राग उत्पन्न करने वाली क्रिया पेज्जवत्तिया है। ( )

(h) अनित्य भावना अनाथी मुनि ने भाई थीं। ( )

(i) भिक्षाचर्या का दूसरा नाम वृत्ति संक्षेप है। ( )

(j) गुरु के समक्ष दोषों को प्रकट करना प्रतिक्रमण कहलाता है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) जो जीवादि नवतत्त्वों को जानता है, वह मुझे प्राप्त होता है। .....

(b) मैंने स्त्री पर्याय से मोक्ष प्राप्त किया। .....

(c) हमारे कुल भेद 62 होते हैं। .....

(d) विपरिणामानुप्रेक्षा मेरी एक अनुप्रेक्षा है। .....

(e) टप-टप आँसू गिराना मेरा लक्षण है। .....

(f) मैं विनय का सातवाँ भेद हूँ। .....

(g) मैं कंसराजा का छोटा भाई था। .....

(h) मेरे 72 हजार पत्नियाँ थीं। .....

(i) मैं सरल स्वभाव वाला हूँ। .....

(j) अनाचीर्णों में मेरा नम्बर दूसरा है। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **गाथा को पूर्ण कीजिए।**

गिहिणो .....

.....णाणि य।।

(b) **निर्ग्रन्थों का विशिष्ट आचार क्या है ?**

.....

.....

(c) **'पुव्वाणुपुव्विं चरमाणे' का क्या अर्थ है ?**

.....

.....

(d) **9 निदानों में तीसरा निदान क्या है ?**

.....

.....

(e) **प्रतिमा आराधन का 13वाँ नियम क्या है ?**

.....

.....

(f) **कौनसे दो सूत्रों में भिक्षा-विधि का उल्लेख है?**

.....

.....

(g) **सूक्ष्म किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(h) **जलचर के पाँच भेद कौनसे हैं ?**

.....

.....

(i) **इरियावहिया क्रिया का क्या अर्थ है ?**

.....

.....

(j) **भिक्षाचर्या के कितने भेद हैं ? अंतिम भेद का नाम लिखिए।**

.....

.....

(k) **कषाय प्रतिसंलीनता किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(l) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

उन्निद्र.....

.....**शिखाभिरामौ।।**

(m) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

अम्भोनिधौ .....

.....**वाडवाग्नौ।।**

(n) **भक्तामर स्तोत्र की 40वीं गाथा कल्पान्त काल.....शमयत्यशेषम्।। का भावार्थ लिखिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **खवित्ता पुव्वकम्माइं .....परिनिव्वुडे। गाथा को पूर्ण करते हुए भावार्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **परीसह..... महेसिणो।। गाथा को पूर्ण करके शब्दों के अर्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **सन्निही.....पलोयणा य।। गाथा को पूर्ण कर बताइये इसमें कितने अनाचीर्णों का वर्णन आया है ?**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **'संजमेण तवसा अप्पाणं भावेमाणे विहरइ' का क्या आशय है ?**

.....

.....

.....

.....

(e) **सुरा, अग्नि व द्वीपायन ऋषि द्वारिका के विनाश के कारण क्यों और कैसे बने?**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(f) **द्वारिका नगरी औदारिक पुद्गलों से बनाई गई थी, इसे सिद्ध कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(g) **चौदह अशुचि स्थानों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **आश्रव के 42 भेद कौनसे हैं ? लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **10 यतिधर्म के नाम और उनके शब्दार्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

(j) **काय क्लेश तप का क्या अर्थ है? इसके प्रथम 5 भेदों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **स्वाध्याय किसे कहते हैं ? इसके भेदों को अर्थ सहित लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

निम्न श्लोक को पूर्ण कर भावार्थ लिखिए।

(l) **शुम्भत्प्रभा**.....

.....

.....

.....**सौम्याम्।।**

भावार्थ.....

.....

.....

(m) **इत्थं यथा**.....

.....

.....

.....**विकासिनोऽपि।।**

भावार्थ.....

.....

.....

(n) **उद्भूत**.....

.....

.....

.....**तुल्यरूपाः।।**

भावार्थ.....

.....

.....